प्रेस विज्ञप्ति 07.07.2024

आज दिनांक 7 जुलाई 2024 मर्चेंट्स चैंबर ऑफ़ उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक समिति द्वारा "रेहन पर रग्घू" नाटक का मंचन किया गया।

<u>आयोजित किए गए नाटक (रेहन पर रग्घु) मंचन के बारे में</u>

साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित कथाकार काशीनाथ सिंह द्वारा लिखित उपन्यास'रेहन पर रग्घु 'पर आधारित राज नारायण दीक्षित द्वारा नाट्य- रूपांतरित नाटक बीते दो दशक के यथार्थ का चित्रण है।

यह नाटक गांव ,शहर, अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक स्तर तक फैला हुआ तथा अकेले और निहत्थे होते जा रहे मनुष्य का चित्रण करता है।

इस प्रस्तुति में भूमंडलीकरण के परिणामस्वरूप संवेदना, संबंध और सामूहिकता की दुनिया में जो निर्मम ध्वंस हुआ है और उस बदलाव से जो तूफान निर्मित हुआ है- उसका प्रमाणिक और गहन अध्यन है।

नाटक के मूल में है मास्टर रघुनाथ, जो व्यवस्थित असफल जिंदगी जी रहे हैं सब कुछ उनकी योजना और इच्छा के मुताबिक हो रहा है पर अचानक ऐसा घटित होता है जीवन का आयोजित यथार्थ इतना महत्वकांक्षी आक्रामक हिंसक हो जाता है कि मनुष्यता की तमाम सारी आत्मीयता कोमल अच्छी चीजें टूटने बिखरने और बर्बाद होने लगती है और एक नए युग की वास्तविकता की गाथा सामने आती है।

देशज सच्चाइयों, कल्पना, काव्यात्मक झीनी दार्शनिकता का सहमेल नाटक को महत्वपूर्ण बनाता है।

कार्यक्रम का संचालन स्वतंत्र सिंह तथा धन्यवाद प्रस्ताव चैम्बर के सचिव महेंद्र मोदी ने दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. इन्द्र मोहन रोहतगी, विमल झांझरिया, राकेश अग्रवाल, आदि सदस्यगण अपने परिवारजन संग उपस्थित थे।